

सं०-सं०शि०- 158/XXIV-4/2011-6 (5)-2010

प्रेषक,

पी०सी० शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

कुल सचिव,  
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,  
हरिद्वार।

संस्कृत शिक्षा अनुभाग-4

देहरादून:दिनांक: 27 जून, 2011

विषय:-

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार में यू०जी०सी० 12 'बी' की मान्यता हेतु विभिन्न पदों का सृजन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के पत्रांक- 460/ नि०स०कु०/2010-11 दिनांक 30 दिसम्बर 2010 एवं पत्रांक- 638/ नि०स०कु०/2010-11 दिनांक 4 अप्रैल 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय यू०जी०सी० 12 'बी' की मान्यता हेतु निर्धारित शर्तों/औपचारिकताओं की पूर्ति हेतु निम्नलिखित 27 (सत्ताईस) पदों की नियुक्ति अथवा शासनादेश निर्गत होने की तिथि जो भी बाद में हो, से 29 फरवरी 2012 तक के लिए, बशर्ते कि यह पद बिना किसी पूर्व सूचना के इसके पूर्व समाप्त न कर दिया जाय, सृजन किये जाने तथा आउट सोर्सिंग के माध्यम से भरे जाने वाले 19 पद स्वीकृत करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

कं०सं०	पदनाम	वेतनबैंड (रु० में)	ग्रेड वेतन (रु० में)	सृजित पदों की संख्या
1.	आचार्य/प्रोफेसर	37400-67000	10000	06
2.	आचार्य/एसोसिएट प्रोफेसर	15600-39100	8000	12
3.	असिस्टेंट प्रोफेसर	15600-39100	6000	08
4.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	15600-39100	6000	01
5.	कैटलागर	आउट सोर्सिंग	---	01
5.	प्रोग्रामर	आउट सोर्सिंग	---	01
6.	डाटा इन्ट्री आपरेटर	आउट सोर्सिंग	---	02

7.	कम्प्यूटर आपरेटर	आउट सोर्सिंग	---	04
8.	वाहन चालक	आउट सोर्सिंग	---	02
9.	चतुर्थ श्रेणी	आउट सोर्सिंग	---	05
10.	अनुसंधान एवं प्रकाशन अधिकारी	आउट सोर्सिंग	---	01
11.	चिकित्सक	आउट सोर्सिंग	---	01
12.	फार्मसिस्ट	आउट सोर्सिंग	---	01
13.	योग प्रशिक्षक	आउट सोर्सिंग	---	01

3. पदों का सृजन का आशय यह नहीं है कि तत्काल नियुक्ति कर ली जाय, नियुक्ति की प्रक्रिया तभी प्रारम्भ की जाय जब प्रस्तावित पदों को पर्याप्त छात्र संख्या तथा कार्य की वास्तविक आवश्यकता हो। आउटसोर्सिंग के माध्यम से स्वीकृत पदों के सापेक्ष यथा आवश्यकता ही उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के संगत प्राविधानों के अनुसार कार्य सम्पादन कराया जायेगा। क्रम सं० 1-4 के पद यू०जी०सी० अर्हता के अनुरूप भरे जायेंगे।

4. उक्त पदों के सापेक्ष चयन प्रक्रिया उमादेवी वाद में मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुरूप एवं नियमानुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

5. उक्त पदों के सृजन पर होने वाला व्यय भार वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-2012 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष के अधीन लेखाशीर्षक -2202-सामान्य शिक्षा -03- विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालय को सहायता -06- संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना -20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

6. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 75 (P) /XXVII(3)2011-2012 दिनांक 23 जून, 2011 में प्राप्त सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

संख्या- 153 (1) / XXIV-4 / 2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-  
1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।